नाम – डॉ जीतेन्द्र कुमार होता
सहायक प्राध्यापक (भूगोल)
भूगोल विभाग,
दुर्गा महाविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़)
शीर्षक – छत्तीसगढ़ की भूगर्भिक संरचना (पी. पी.टी.)

छत्तीसगढ़ राज्य की भूवैज्ञानिक या भूगर्भिक संरचना

भूवैज्ञानिक संरचना

भूवैज्ञानिक संरचना के आधार पर ही धरातलीय संरचना, मिट्टी, खनिज पदार्थों की उपलब्धता जलीय स्थिति एवं अधिवास का वितरण नि़र्भर करता है। छत्तीसगढ़ राज्य में विभिन्न युगों की चट्टानें मिलती है। ये प्राचीन से आधुनिक काल में निर्मित है। इन चट्टानों में आग्नेय, कायांतरित और अवसादी तीनों प्रकार के चट्टान शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य की भूवैज्ञानिक संरचना में आर्कियन, धारवाड़, कुडप्पा, गोंडवाना तथा दक्कन प्रमुख है। राज्य में कुडप्पा चट्टान समूह में विस्तृत भाग नदियों द्वारा निपेक्षत उपजाऊ कछारी मिट्टी पाई जाती हैं। दक्कन ट्रैप के चट्टानों के टूटने से काली मिट्टी का निर्माण हुआ है। धारवाड़ क्रम की चट्टानों से रेतीली मृदा, आर्कियन क्रम चट्टान से हल्की रेतीली मृदा निर्मित हुई। भूवैज्ञानिक संरचना की दृष्टि से छत्तीसगढ़ राज्य को निम्नलिखित क्रम में बांटा गया है

छत्तीसगढ़: भूवैज्ञानिक संरचना

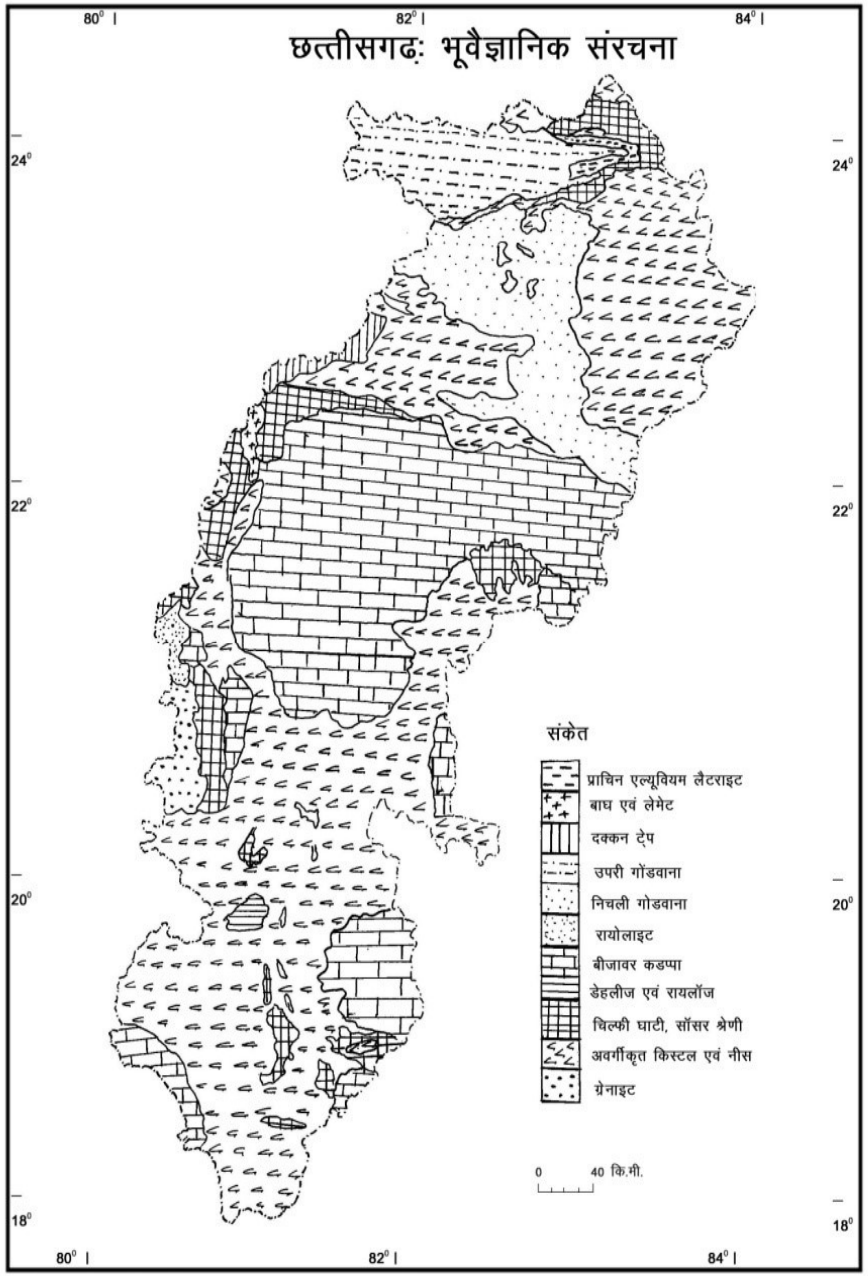

स्रोतः भारतीय सर्वेक्षण विभाग

मानचित्र क. 1:3

1. आर्कियन क्रम की चट्टान – राज्य के उत्तर–पूर्व भाग में जशपुर, सीतापुर, अम्बिकापुर, पत्थलगांव, कुनकुरी, उत्तर पश्चिम मे कोटा, पेन्ड्रारोड, पण्डरिया, लोरमी, दक्षिण भाग में राजिम, धमतरी, महासमुन्द, कुरूद, गरियाबंद, कांकेर, बीजापुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा में आर्कियन क्रम की चट्टानें हैं।

2. धारवाड क्रम की चट्टान – राज्य के बाहरी सीमा पर चारों ओर मुख्य रूप से स्लेट, क्वार्टजाईट, शिल्ट, कांग्लोमरेट, एवं नीस चट्टानें हैं। जिसका विस्तार जगदलपुर, भानुप्रतापपुर, दंतेवाड़ा, मोहला, कसडोल, कवर्धा, तथा नारायणपुर में अबुझमाड़ पहाड़ी के उत्तर में स्थित रावघाट पहाड़ी में है।

3. कुडप्पा क्रम की चट्टान – इस चट्टान का विस्तार जगदलपुर, महासमुन्द, भोपानपट्नम, सरायपाली, नवागढ़, धमधा, दुर्ग, तिल्दा, कसडोल, भाटापारा, बिलाईगढ़, बलौदाबाजार, सांरगढ़, रायगढ़, चांपा, जांजगीर, बिल्हा, बिलासपुर क्षेत्र में है। बीजापुर, कोण्डागांव, अबुझमाड़ पहाड़ी क्षेत्र मे भी ये शैल पाए जाते हैं।

4 विन्ध्य क्रम की चट्टान –इसमें प्रायः जीवाश्म के अंश पाए जाते हैं। चूने के पत्थर, बालु के पत्थर प्रमुख शैल हैं। इसका विस्तार कोण्डागांव, जगदलपुर, रायपुर, खैरागढ़ और गुण्डरदेही क्षेत्र में है।

5. गोंडवाना क्रम की चट्टान – गोंडवाना क्रम की नदियों के द्वारा निपेक्षित पदार्थों से हुआ है। छत्तीसगढ़ में रायगढ़, बिलासपुर के पूर्वी भाग में इस क्रम की चट्टानें विस्तृत है। इस क्रम के चट्टान में लोहा, कोयला की उपस्थिति अधिक होती है। इन्हे दो क्रम में विभाजित किया गया है :

(1) ऊपरी गोंडवाना क्रम (2) निचली गोंडवाना क्रम

6. दक्कन क्रम की चट्टान – इसमें सिलिका, चूना पत्थर, बालू का पत्थर ग्रिट तथा क्ले प्रमुख शैलें है। बिलासपुर, राजनांदगांव के अंतर्गत मैकल श्रेणी के पूर्वी भाग का निर्माण दक्कन ट्रेप से हुआ है। जशपुर के उत्तर–पश्चिमी सीमा पर दक्कन की चट्टानें पाई जाती हैं।

7. लेटेराइट – इसमें लौह के अंश अधिक पाई जाती हैं एवं बाक्साइड, मैग्नीज, कोयला, क्वार्ट्ज आदि खनिज पाए जाते हैं। इसका विस्तार रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर एवं रायगढ़ जिले है तथा जशपुर सामरी में लावा क्षेत्र के मध्य लेटेराइट पाए जाते हैं।

8. एल्युविनियम – राज्य के महानदी तट पर इसका विस्तार मिलता है। इसकी मोटाई अधिक है। इस क्षेत्र की आंतरिक नदी घाटी में नरम क्ले, स्लेट एवं क्वार्टज, शिष्ट आदि पाए जाते हैं, उत्तरी पाट, उत्तरी वाड्रफनगर, लुण्ड्रा, बगीचा तहसील में इसका विस्तार है।